

जयनारायणस्तोत्रम्

jayanArAyaNastotram


sanskritdocuments.org

November 17, 2018

---

jayanArAyaNastotram

——  
जयनारायणस्तोत्रम्

——  
Sanskrit Document Information



---

Text title : jayanArAyaNastotram

File name : jayanArAyaNastotram.itx

Category : vishhnu

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Description/comments : BhaktivivekasAra

Latest update : November 18, 2018

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

November 17, 2018

*sanskritdocuments.org*

---



जयनारायणस्तोत्रम्



जय नारायण जय पुरुषोत्तम जय वामन कंसारे  
उद्धर मामसुरेशविनाशिन् पतितोऽहं संसारे ।  
घोरं हर मम नरकरिपो केशव कल्मषभारं  
मामनुकम्पय दीनमनाथं कुरु भवसागरपारम् ॥ १ ॥

जय जय देव जयासुरसूदन जय केशव जय विष्णो  
जय लक्ष्मीमुखकमलमधुव्रत जय दशकन्धरजिष्णो ।  
घोरं हर मम नरकरिपो केशव कल्मषभारं  
मामनुकम्पय दीनमनाथं कुरु भवसागरपारम् ॥ २ ॥

त्वं जननी जनकः प्रभुरच्युत त्वं पुत्रसुहृद्धनमित्रं  
त्वं शरणं शरणागतवत्सल त्वं भवजलधिवहित्रम् ।  
घोरं हर मम नरकरिपो केशव कल्मषभारं  
मामनुकम्पय दीनमनाथं कुरु भवसागरपारम् ॥ ३ ॥

पुनरपि जननं पुनरपि मरणं पुनरपि गर्भनिवासं  
सोढुमलं पुनरस्मिन्माधव मामुद्धर निजदासम् ।  
घोरं हर मम नरकरिपो केशव कल्मषभारं  
मामनुकम्पय दीनमनाथं कुरु भवसागरपारम् ॥ ४ ॥

जनकसुतापतिचरणपरायणशङ्करमुनिवरगीतं  
धारय मनसि कृष्ण पुरुषोत्तम वारय संसृतिभीतिम् ।  
घोरं हर मम नरकरिपो केशव कल्मषभारं  
मामनुकम्पय दीनमनाथं कुरु भवसागरपारम् ॥ ५ ॥

यद्यपि सकलमहं कलयामि हरे न हि किमपि ससत्त्वं  
तदपि न मुञ्चति मामिदमच्युत पुत्रकलत्रममत्वम् ।  
घोरं हर मम नरकरिपो केशव कल्मषभारं  
मामनुकम्पय दीनमनाथं कुरु भवसागरपारम् ॥ ६ ॥

इति जयनारायणस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

---



*jayanArAyaNastotram*

pdf was typeset on November 17, 2018



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

